>

Title: Need to construct Pachnanda Dam in Bundelkhand region of Uttar Pradesh.

श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा (जालौन) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र की ओर आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं। इस क्षेत्र में पिछले तीन साल से पानी नहीं बरसा है, जिसके कारण वहां जितने भी बांध हैं वे सूख गये हैं। बांधों में पानी नहीं है और किसानों को खेत बोने के लिए पानी प्राप्त नहीं हो रहा है। बुंदेलखंड के कुछ ऐसे ब्लॉक्स हैं, चाहे महैवा हो, माधवगढ़ हो, डकोर या अन्य क्षेत्र हों।[r71]

उपाध्यक्ष महोदय, वहां के क्षेत्र जैसे गुरसराय में बामौड़ हो, मौठ हो, जो नदी के किनारे के क्षेत्र हैं, उनमें अभी तक लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिला है। इस वजह से वे खेत ही जोत नहीं पाए हैं और किसानों की स्थिति आए दिन खराब होती जा रही है। इसी कारण क्षेत्र से सूचनाएं आ रही हैं कि एक-दो दिन के अंतराल कोई न कोई किसान आत्महत्या करने पर मजबूर हो रहा है। किसानों ने ट्यूबल भी लगा रखे हैं, लेकिन पिछली सरकार ट्यूबल लगाने के लिए जो सब्सीडी देती थी, वर्तमान की सरकार ने वह सब्सीडी बंद कर दी है। सूखे की समस्या से किसान परेशान है, लेकिन ट्यूबल पर सब्सीडी बंद कर दी है। मैं आपके माध्यम से केंद्र सरकार से मांग करता हूं कि प्रदेश सरकार को जो सब्सीडी दी जाती थी, वह दी जाए और अगर बुंदेलखंड को सूखे की समस्या से बचाना है, तो वहां मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की सीमा पर एक प्रसन्दा बांध की योजना है। अगर यह बांध बन जाता है तो निश्चित ही बुंदेलखंड का क्षेत्र पंजाब जैसा हो जाएगा और हर किसान को आने वाले समय में पर्याप्त जल मिल जाएगा। जो आज की स्थिति है कि किसान आत्महत्या करते हैं, इस बांध के निर्माण से उनकी आत्महत्या को रोका जा सकता है।

इस विषय से संबंधित मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि किसानों के कर्जे माफ किए जाएं।